हिमाचल प्रदेश बजट विश्लेषण

2025-26

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 17 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (वर्तमान मूल्यों पर) 2,55,636 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 10% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 52,709 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% कम है। इसके अलावा राज्य द्वारा 5,806 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधार को छोड़कर)** 42,371 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 3% कम है।
- 2025-26 में **राजस्व घाटा** जीएसडीपी का 2.5% (6,390 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 2.8% (6,486 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी का 4% (10,338 करोड़ रुपए) रहने का लक्ष्य है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 6.6% रहने की उम्मीद है, जो बजट में निर्धारित 4.7% से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **कृषि ऋण ब्याज अनुदान योजना**: तीन लाख रुपए तक के कृषि ऋण वाले किसानों को अपने ऋण चुकाने के लिए एकमुश्त निपटान नीति की पेशकश की जाएगी। नीति के तहत, राज्य सरकार मूल राशि पर अर्जित कुल ब्याज का 50% वहन करेगी।
- **मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्ट-अप योजना**: युवाओं को होम स्टे इकाइयों और होटलों के निर्माण के लिए ऋण पर 4%-5% का ब्याज अनुदान दिया जाएगा। इस योजना का परिव्यय 50 करोड़ रुपए है।
- **इंदिरा गांधी सुख सुरक्षा योजना**: गरीबी रेखा से नीचे के परिवार में लड़की के जन्म लेने पर 25,000 रुपए बीमा कंपनी में जमा किए जाएंगे। माता-पिता को जीवन बीमा लाभ भी प्रदान किया जाएगा।
- **स्वास्थ्य और पोषण**: नव घोषित इंदिरा गांधी मातृ शिशु संकल्प योजना के तहत, राज्य के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को पूरक पोषण प्रदान किया जाएगा। आचार्य चरक योजना के तहत मरीजों को 20 प्रकार के डायग्नॉस्टिक टेस्ट और 150 आयुष दवाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी।

सृष्टि सिंह
shrusti@prsindia.org

11 अप्रैल, 2025

हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में हिमाचल प्रदेश की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 7.1% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में, 2023-24 में भारत की जीडीपी 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 14%, 42% और 44% योगदान होने का अनुमान है (मौजूदा कीमतों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में हिमाचल प्रदेश की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 2,76,943 रुपए होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 8% अधिक है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: हिमाचल प्रदेश में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

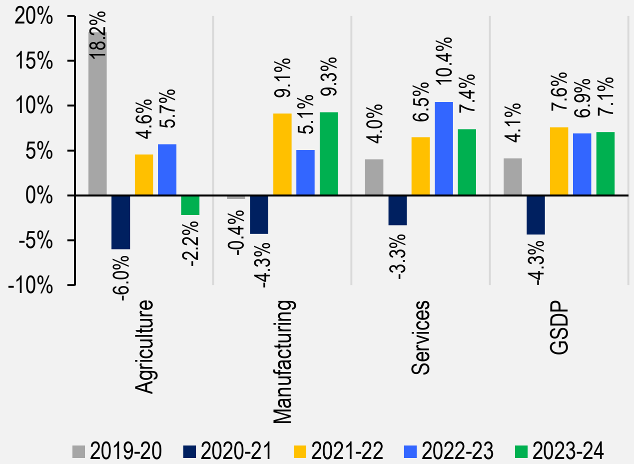

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 52,709 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% कम है। यह व्यय 42,371 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारों को छोड़कर)** और 7,569 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा किया जाना प्रस्तावित है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% की कमी दर्ज होने की उम्मीद है।
- राज्य ने 2025-26 में जीएसडीपी के 2.5% (6,390 करोड़ रुपए) का **राजस्व घाटा** अनुमानित किया है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी का 2.8% राजस्व घाटा होने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 4% (10,338 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 6.6%) से कम है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	58,364	58,444	74,758	28%	58,514	-22%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	7,896	5,479	15,616	185%	5,806	-63%
शुद्ध व्यय (E)	**50,468**	**52,965**	**59,142**	**12%**	**52,709**	**-11%**
कुल प्राप्तियां	54,104	55,090	67,482	22%	55,745	-17%
(-) उधारियां	14,902	12,909	23,750	84%	13,375	-44%
जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण	1,516	830	1,357	64%	1,100	-19%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**39,203**	**42,181**	**43,733**	**4%**	**42,371**	**-3%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**11,266**	**10,784**	**15,409**	**43%**	**10,338**	**-33%**
जीएसडीपी का %	*5.4%*	*4.7%*	*6.6%*		*4.0%*	
राजस्व घाटा	**5,559**	**4,514**	**6,486**	**44%**	**6,390**	**-1%**
जीएसडीपी का %	*2.7%*	*2.0%*	*2.8%*		*2.5%*	
प्राथमिक घाटा	**5,617**	**4,529**	**9,144**	**102%**	**3,599**	**-61%**
जीएसडीपी का %	*2.7%*	*2.0%*	*3.9%*		*1.4%*	
जीएसडीपी	2,10,662*	2,27,136	2,32,185	2%	2,55,636	10%

नोट: जीएसडीपी के 2023-24 के आंकड़े पहले संशोधित अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 48,733 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% कम है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 3,941 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 55% कम है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 34 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 81% कम है।

पूंजीगत परिव्यय

2025-26 में राज्य द्वारा अपने शुद्ध व्यय का 92% राजस्व मदों पर खर्च करने का अनुमान है। 2025-26 में शुद्ध व्यय का केवल 7% पूंजीगत व्यय पर खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा 2025-26 में राजस्व व्यय का 72% वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर खर्च करने का बजट है। प्रतिबद्ध व्यय के अधिक होने पर राज्यों के लिए अन्य विकास मदों और पूंजीगत परिव्यय पर खर्च करना मुश्किल होता है।

राज्य ने 2025-26 में पूंजीगत व्यय के लिए 3,941 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 55% कम है। इसकी तुलना में राजस्व व्यय में 3% की कमी का बजट है। पूंजीगत व्यय में कमी मुख्य रूप से परिवहन (58%), जलापूर्ति और स्वच्छता (51%), और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (41%) पर पूंजीगत व्यय में कमी के कारण है।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	44,732	46,667	50,190	8%	48,733	-3%
पूंजीगत परिव्यय	5,630	6,270	8,767	40%	3,941	-55%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	107	28	186	559%	34	-81%
शुद्ध व्यय	**50,468**	**52,965**	**59,142**	**12%**	**52,709**	**-11%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 35,222 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 83% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 28%), पेंशन (28%), और ब्याज भुगतान (16%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 81% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	15,686	17,247	16,581	-4%	16,635	0.3%
पेंशन	10,294	10,231	10,994	7%	11,847	8%
ब्याज भुगतान	5,648	6,255	6,265	0.2%	6,739	8%
कुल	**31,629**	**33,733**	**33,841**	**0.3%**	**35,222**	**4%**

नोट: *2024-25 के वेतन के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान राज्य के बजटीय व्यय का **57%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: हिमाचल प्रदेश बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान (2025-26)
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	8,400	9,812	10,117	9,965	-2%	▪ समग्र शिक्षा अभियान के लिए 951 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ पीएम-पोषण के लिए 133 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	5,134	5,289	6,398	3,858	-40%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 1,492 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	3,201	3,390	3,871	3,332	-14%	▪ चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान पर 807 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। ▪ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए 399 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	3,444	3,051	3,426	3,158	-8%	▪ विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पेंशन पर 1,214 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। ▪ एकीकृत बाल देखभाल सेवाओं के लिए 259 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	2,553	2,755	2,947	2,601	-12%	▪ एक्सटेंशन सेवाओं और किसानों के प्रशिक्षण के लिए 63 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के लिए 33 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	1,307	2,145	2,367	2,106	-11%	▪ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए 460 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए 128 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	2,327	1,998	2,242	1,721	-23%	▪ ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम के लिए 684 करोड़ रुपए तथा शहरी जलापूर्ति कार्यक्रम के लिए 311 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	1,592	1,701	1,661	1,643	-1%	▪ जिला पुलिस के लिए 890 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	835	1,382	1,409	1,023	-27%	▪ लघु सिंचाई के लिए 989 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	1,175	566	1,648	823	-50%	▪ बिजली बोर्ड्स को सहायता के रूप में 461 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**60%**	**61%**	**61%**	**57%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 42,343 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% कम है। इसमें से 20,294 करोड़ रुपए (48%) राज्य **अपने संसाधनों से** जुटाएगा और 22,049 करोड़ रुपए (52%) केंद्र से प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से (राजस्व प्राप्तियों का 28%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 24%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 11,806 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 10,243 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 33% कम है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: हिमाचल प्रदेश का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 16,101 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 19% अधिक है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 6.3% अनुमानित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से अधिक है (5.8%)। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 5.6% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	11,835	15,101	13,526	-10%	16,101	19%
राज्य के स्वयं गैर कर	3,021	3,641	4,231	16%	4,193	-1%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	9,375	10,124	10,681	6%	11,806	11%
केंद्र से सहायतानुदान	14,942	13,287	15,266	15%	10,243	-33%
राजस्व प्राप्तियां	**39,173**	**42,153**	**43,704**	**4%**	**42,343**	**-3%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	30	28	29	4%	28	-4%
शुद्ध प्राप्तियां	**39,203**	**42,181**	**43,733**	**4%**	**42,371**	**-3%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** के स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (42% हिस्सा) होने का अनुमान है। 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में राज्य जीएसटी राजस्व में 13% की वृद्धि होने का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण की तुलना में 12% अधिक होने की उम्मीद है।
- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 12% अधिक होने का अनुमान है।
- 2025-26 में भूराजस्व 1,019 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (17 करोड़ रुपए) का 60 गुना है।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	5,340	6,552	6,010	-8%	6,761	13%
राज्य उत्पाद शुल्क	2,692	2,884	2,902	1%	3,250	12%
सेल्स टैक्स/वैट	1,754	2,080	1,975	-5%	2,212	12%
भूराजस्व	7	18	17	-5%	1,019	5904%
वाहन कर	782	902	884	-2%	978	11%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	369	551	551	0.1%	688	25%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	440	626	668	7%	638	-4%
जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान	88	0	0	-	0	-

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

हिमाचल प्रदेश के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व घाटा: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2024-25 में 6,390 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 2.5%) का राजस्व घाटा अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी। केंद्र सरकार राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान करती है जो राज्यों की उधार सीमा में शामिल नहीं है।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 6.6% रहने की उम्मीद है, जो जीएसडीपी के 4.7% के बजट अनुमान से अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 40.5% होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 40.8%) से कम है।

हिमाचल प्रदेश में उधार की स्थिति

हिमाचल प्रदेश सरकार की बकाया देनदारियां 2025-26 में जीएसडीपी का 40.5% होने का अनुमान है। कैग (2024) ने कहा कि राज्य का लगभग 81% ऋण दस वर्षों के भीतर परिपक्व हो जाएगा। इससे निकट अवधि में ऋण चुकौती दायित्वों में वृद्धि होगी। कैग (2024) ने यह भी कहा कि राज्य ने 2018-19 और 2022-23 के बीच पुराने ऋणों के मूलधन को चुकाने में अपने उधार का 45%-70% खर्च किया। इसके अलावा 2022-23 में कुल उधार का 27% राजस्व व्यय पर खर्च किया गया। कैग ने सुझाव दिया कि राज्य अपने राजस्व घाटे को कम करे, और अपने उधार को विकास गतिविधियों और पूंजीगत संपत्ति निर्माण के लिए प्रयोग करे।

हिमाचल प्रदेश ने 2018-19 से 2021-22 के बीच राजस्व अधिशेष दर्ज किया। तब से राज्य को लगातार राजस्व घाटा हो रहा है। 15वें वित्त आयोग ने हिमाचल प्रदेश के लिए 2021 से 2026 तक 37,199 करोड़ रुपए के राजस्व घाटा अनुदान की सिफारिश की थी। आयोग के अनुसार, राज्यों को ये अनुदान राजस्व घाटे को खत्म करने और सभी उधारों को पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल करने में मदद हेतु प्रस्तावित किए गए हैं। 2025-26 में हिमाचल प्रदेश को 3,257 रुपए का राजस्व घाटा अनुदान मिलेगा। इसके बावजूद, राज्य ने 6,390 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा बजट में रखा है। इसी तरह, राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त करने के बावजूद राज्य को 2022-23 से राजस्व घाटा हो रहा है।

स्रोत: कैग राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट (2024); मध्यम अवधि राजकोषीय नीति, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज 2025-26

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

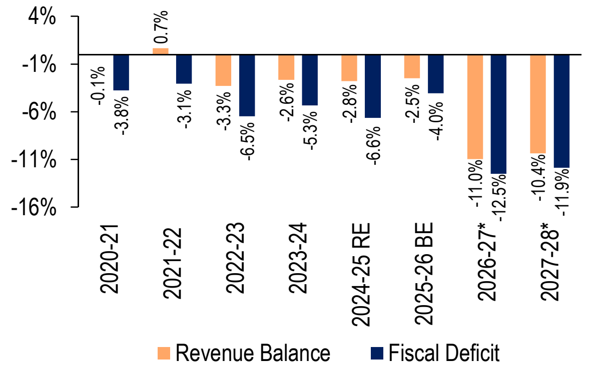

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। अनुमानित आंकड़ों के लिए, राजस्व संतुलन और राजकोषीय घाटे की गणना में वित्त आयोग अनुदान और केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी पर विचार नहीं किया गया है। इसका कारण यह है कि 2026-27 और 2027-28 के लिए वित्त आयोग की सिफारिशें उपलब्ध नहीं हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़ें घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

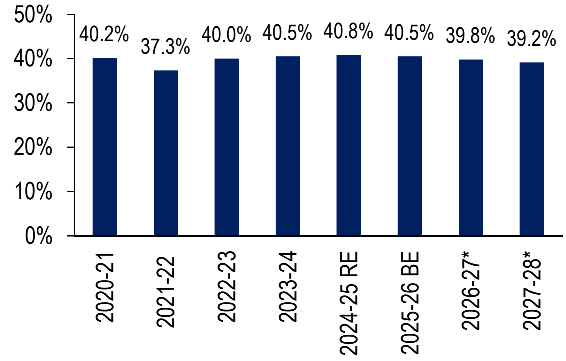

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं; BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 मार्च, 2023 तक राज्य की बकाया गारंटी 3,188 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो हिमाचल प्रदेश के जीएसडीपी का 1.2% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में हिमाचल प्रदेश के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (हिमाचल प्रदेश सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 18.9% शिक्षा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 6.3% स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) के समान है।
- **ग्रामीण विकास**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 4% ग्रामीण विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास हेतु औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **सड़कें और पुल**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में अपने व्यय का 6.1% सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से अधिक है।
- **जलापूर्ति और स्वच्छता**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में जलापूर्ति और स्वच्छता के लिए अपने व्यय का 3.3% आवंटित किया है, जो 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा इस क्षेत्र के लिए औसत आवंटन (2.5%) से अधिक है।
- **ऊर्जा**: हिमाचल प्रदेश ने 2025-26 में ऊर्जा के लिए अपने व्यय का 1.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ऊर्जा के लिए औसत आवंटन (5%) से काफी कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

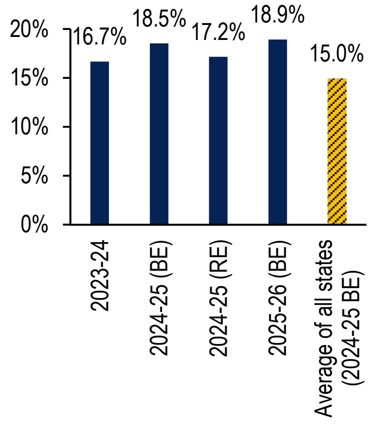

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

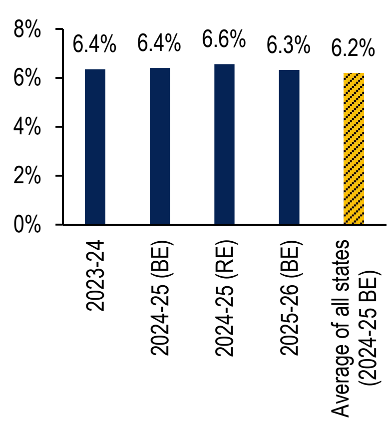

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

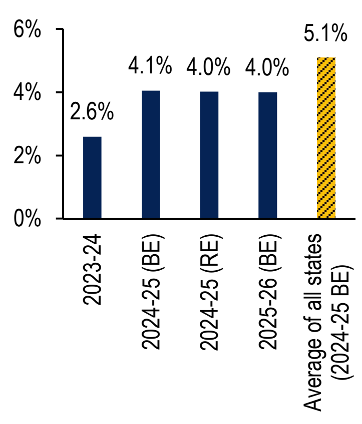

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में सड़क एवं पुलों पर व्यय का प्रतिशत

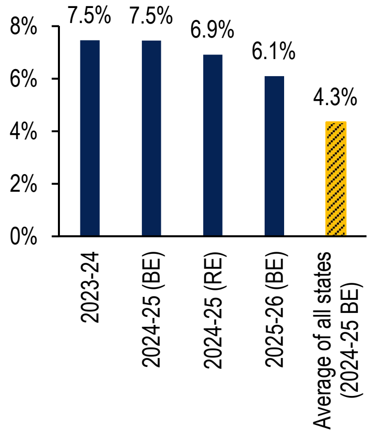

कुल बजट में जलापूर्ति एवं स्वच्छता पर व्यय का प्रतिशत

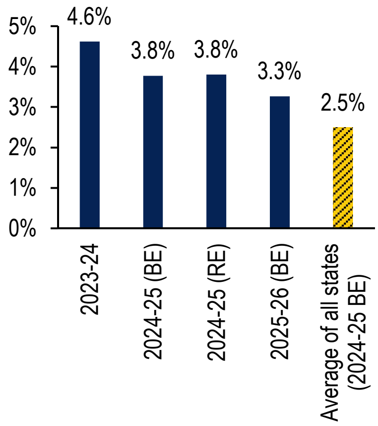

कुल बजट में ऊर्जा पर व्यय का प्रतिशत

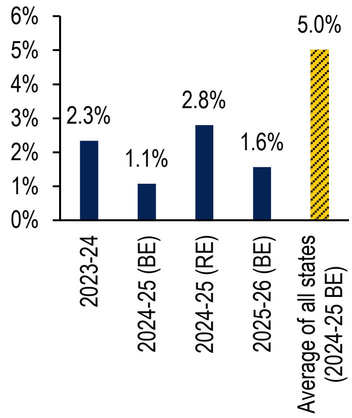

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े हिमाचल प्रदेश के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**38,026**	**39,203**	**3%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	38,000	39,173	3%
क. स्वयं कर राजस्व	13,026	11,835	-9%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	3,447	3,021	-12%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	8,478	9,375	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	13,049	14,942	15%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	26	30	14%
3. उधारियां	12,520	14,902	19%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**47,926**	**50,468**	**5%**
4. राजस्व व्यय	42,704	44,732	5%
5. पूंजीगत परिव्यय	5,202	5,630	8%
6. ऋण और अग्रिम	20	107	443%
7. ऋण पुनर्भुगतान	5,487	7,896	44%
राजस्व घाटा	**4,704**	**5,559**	**18%**
राजस्व घाटा (जीएसडीपी का %)	2.19%	2.6%	
राजकोषीय घाटा	**9,900**	**11,266**	**14%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	4.6%	5.3%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	17	7	-59%
राज्य जीएसटी	6,264	5,340	-15%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	403	369	-9%
सेल्स टैक्स/वैट	1,840	1,754	-5%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	439	440	0.3%
वाहन कर	775	782	1%
राज्य जीएसटी	2,351	2,692	15%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
एससी, एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक कल्याण	137	54	-60%
ग्रामीण विकास	1,892	1,307	-31%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	2,828	2,553	-10%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	9,068	8,400	-7%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	861	835	-3%
पुलिस	1,589	1,592	0.2%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	3,116	3,201	3%
परिवहन	4,621	5,134	11%
जिनमें से सड़कें और पुल	3,548	3,762	6%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	1,700	2,327	37%
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	2,764	3,444	25%
शहरी विकास	615	1,025	67%
आवास	117	196	68%
ऊर्जा	625	1,175	88%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हिमाचल प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।